हिन्दुस्तान 20/oct/2023

प्रदेश में भिक्षावृत्ति में लगे बच्चों का पुनर्वास जरूरी : खन्ना

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। भिक्षावृत्ति एक गंभीर समस्या है, जो सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के बावजूद आधुनिक दौर में भी है। इसको खत्म करने के लिए इससे जुड़े लोगों खासकर बच्चों का पुनर्वास सबसे ज्यादा जरूरी है। यह बात बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने दून यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग की कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित डाटा और शोध की कमी के कारण शहर में भीख मांगने वालों की संख्या का आकलन करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि कमजोर अंतर्विभागीय समन्वय शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने की प्रगति को धीमा कर देता है। महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव एचसी सेमवाल ने भिक्षावृत्ति की प्रकृति, रूप, कारण और पुनर्वास नीति से रूबरू कराया। इस दौरान कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का डाटा संग्रह, विश्लेषण, नीतिगत निहितार्थों के महत्त्व पर जोर दिया। इस दौरान स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के डीन प्रोफेसर राजेंद्र पी. ममगाई सहित कई लोग मौजूद रहे।